परिचय

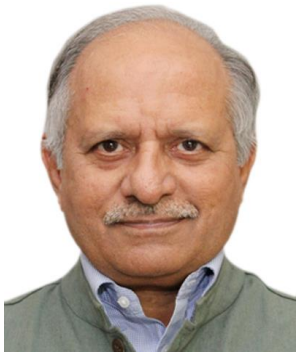

श्री रवि सिंह
महासचिव और मुख्य कार्यकारी अधिकारी
वर्ल्ड वाइल्डलाइफ फ़ंड फॉर नेचर- इंडिया

श्री रवि सिंह 2003 से डब्ल्यूडब्ल्यूएफ-इंडिया के महासचिव और मुख्य कार्यकारी अधिकारी हैं । इस नियुक्ति से पहले, श्री सिंह मुंबई स्थित मल्टी नेशनल कॉरपोरेट्स, ड्यूश बैंक के जनरल मैनेजर और प्रमुख रहे।

इन्होंने सन 1975 में सेंट स्टीफन कॉलेज से इतिहास में अपने परास्नातक डिग्री प्राप्त करने के उपरांत दिल्ली विश्वविद्यालय के भगत सिंह कॉलेज में इतिहास के व्याख्याता के रूप में अपना कार्य शुरू किया । वे सन 1976 में चार्टर्ड बैंक (अब स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक) और 1985 में ड्यूश बैंक से जुड़े। कॉर्पोरेट क्षेत्र में अपनी व्यावसायिक उपलब्धियों के अलावा, श्री सिंह ने प्रकृति के संरक्षण और भारत के लिए काम करने में स्थायी रुचि रखी । वे सन 1976 से ही संरक्षण संबंधी मुद्दों में शामिल रहे और कई संरक्षण संगठनों के सदस्य रहे, जिनमें डब्ल्यूडब्ल्यूएफ और बीएनएचएस शामिल हैं ।

श्री सिंह, डब्ल्यूडब्ल्यूएफ-इंडिया (देश का सबसे बड़ा संरक्षण संगठन) के प्रमुख के रूप में राष्ट्रीय मंच पर जैव विविधता और मानव पदचिह्न को कम करने के पहलुओं में शामिल रहे । वे राष्ट्रीय स्तर पर स्क्वैश खेलने के साथ-साथ, हिमालयन क्लब के सदस्य, घूमने एवं पढ़ने के भी शौकीन हैं । इनकी अन्य रूचियों में भारतीय इतिहास, रॉक शेल्टर चित्रकला, अधिक ऊंचाई वाला पर्वतारोहण, पश्चिमी शास्त्रीय संगीत, फोटोग्राफी और प्राकृतिक इतिहास भी शामिल हैं।

डब्ल्यूडब्ल्यूएफ-इंडिया के महासचिव के रूप में उनके कार्य के प्राथमिक क्षेत्र संगठन के संरक्षण कार्यों को रणनीतिक दिशा प्रदान करना है और डब्ल्यूडब्ल्यूएफ-भारत के संरक्षण में गुणात्मक योगदान जोड़ना है। डब्ल्यूडब्ल्यूएफ इंडिया के प्रमुख कार्यक्रम भारत में प्रजातियां और परिदृश्य, वन, ताजे पानी और वेटलैंड्स, जलवायु परिवर्तन, समुद्री शिक्षा,

पर्यावरण कानून, नीति, सतत जीवनशैली और व्यापार स्थिरता हैं और यह संस्था, डब्ल्यूडब्ल्यूएफ अंतर्राष्ट्रीय नेटवर्क के प्रमुख राष्ट्रीय संगठनों में से एक है । डब्ल्यूडब्ल्यूएफ-भारत के कार्यक्रमों में से वन्यजीव संरक्षण सबसे बड़ा कार्य है - बाघ संरक्षण कार्यक्रम सरकार के कार्यों के बाहर भारत की सबसे बड़ी टीमों में से एक है; अन्य प्रमुख प्रजातियां हाथी, गैंडा एवं कई अन्य प्रजातियां हैं जो हमारे देश के वन्यजीव परिदृश्य के लिए महत्वपूर्ण हैं । समुदायों और व्यापार निगमों के साथ कार्य करना और उनको सरंक्षण कार्यों में शामिल करना एक महत्वपूर्ण नाभीय/ केन्द्रित क्षेत्र है ।

भारत के सबसे बड़े संरक्षण संगठन के प्रमुख के रूप में अपनी स्थिति में, श्री रवि सिंह ने भारतीय वन्यजीव बोर्ड की स्थायी समिति समेत कई राष्ट्रीय मंचों में भाग लिया एवं भारतीय वन प्रबंधन संस्थान के निदेशक मंडल और भारत के विभिन्न राज्यों के वन्यजीव बोर्डों के सदस्य रहे । श्री सिंह राष्ट्रीय व्याघ्र सरंक्षण प्राधिकरण बोर्ड की तकनीकी समिति सहित प्राधिकरण के सदस्य हैं । वे हिमालयी क्लब के उपाध्यक्ष रहे और भारत के इको-टूरिज्म सोसाइटी के संस्थापक सदस्यों में से एक रहे । वे डब्ल्यूडब्ल्यूएफ इंटरनेशनल के लिए लिविंग हिमालय पहल की अध्यक्षता करते हैं । डब्ल्यूडब्ल्यूएफ-इंडिया की तरफ से, वह सलाहकार परिषदों के सदस्य हैं और सीआईआई और एफआईसीसी के बोर्ड के भी सदस्य हैं। वे बोर्ड ऑफ सेव द चिल्ड्रेन और सासाकावा इंडिया लेप्रोसी फाउंडेशन के सलाहकार बोर्ड के, भारत की ओर से प्रतिभागी हैं ।

श्री रवि सिंह से इस आईडी पर संपर्क किया जा सकता है : **ravisingh@wwfindia.net**